बीवी काम कर रहे थे । इनका सिला इनको यह दिया गया है कि ये ओ.एस. डी. हैं डायरेक्टर रहते हुए और जो सबसे इम्पार्टेंट डेस्क है अमेरिकन डेस्क ये उसके इंचार्ज हैं । एक दूसरे हैं के.सी. सिंह । ये एडमिनिस्ट्रेटिव डिवीजन के इन्चार्ज है और एच .के. सिंह साहब इंचार्ज हैं योरोप के । के. एम. मीना मुस्तकिल कम्पलसरी वेंट लिस्ट पर रखे गए और आज तक इनको चार्ज नहीं दिया गया है । इनसे कहा गया है कि ये छोड़ें और बाहर चले जाएं । छुट्टी ले लें और बाहर चले जाएं । एक तीसरे अधिकारी हैं अनुसूचित जाति के तारा सिंह । उनकी अभी हाल ही में पोस्टिंग हुई थी स्पेन में । जब वे तैयारी कर रहे थे हिन्दुस्तान छोड़ने की स्पेन जाने के लिए तभी यह नियुक्ति केंसिल कर दी गयी। इनके मुकाबले पी० एम० ओ० आफिस के अलोक प्रसाद जी हैं । कुल 18 साल की सर्विस में ये 16 साल बाहर रहे हैं और कहां कहां रहे हैं, यह फेवरेटिज्म देख लीजिए । वे रहे हैं काटमांडू में, हेग में, न्ययार्क में और जब उनकी पोस्टिंग हो रही है फ्रेंकफुर्ट में । इस तरह की खुली धांधली इस विभाग में चल रही है । उसका नतीजा क्या हो रहा है ? रोज अखबार में ये चीजें छपती हैं । दो अधिकारी प्रोटेस्ट लीव पर चले गये हैं ।

मान्यवर, मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे संविधान का अनुपालन नहीं हो रहा है । संविधान ने जाति के आधार पर भेदभाव निषिध किया है और अपराध माना है कि जाति के आधार पर किसी तरह का आचरण करने की । मेरी निश्चित राय है कि यहां पर यह आचरण हुआ है और इसके दोषी फारेन सेक्रेट्री हैं । इसलिए उनको उस जगह से हटाया जाए । उनका तो इस्तीफा ले लिया जाना चाहिए । चूंकि प्रधान मंत्री जी विदेश मंत्री भी हैं इसलिए मैं और जोर से कहना चाहता हूं कि वे अपने विभाग की तरफ देखें कि उनकी नाक के नीचे क्या हो रहा है । बहुत धन्यवाद ।

श्री आनन्द प्रकाश गौतम (उत्तर प्रदेश) : मैं इसके साथ अपने को सम्बद्ध करते हुए यह कहना चाहता हूं (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): I am not allowing you to make a speech. Shrimati Jayanthi Natarajan, (absent)

Territorist activities in Terai Region Uttar Pradesh

श्री राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, आपके माध्यम से उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में उग्रवादियों के नाम पर जिस तरह से निर्दोष सिक्खों के साथ ज्यादतियां की जा रही हैं उसकी तरफ मैं भारत सरकार और इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा । महोदय, बहुत ही भयंकर स्थिति उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में है जिस क्षेत्र को जो कुछ वर्ष पहले तक बिलकुल अनुपजाऊ था उसको बहुत मेहनत करके सिख समुदाय के लोगों ने बहुत संपन्न और हरा-भरा बना दिया । लेकिन आज स्थिति यह हो गई है कि जो भी संपन्न सिख है तराई क्षेत्र में उसको इस आधार पर कि वह उग्रवादियों को संरक्षण दे रहा हैं अपमानित किया जा रहा है लूटा जा रहा है फर्जी मुठभेड़ों में नौजवान सिखों की जो तराई क्षेत्र के हैं उनकी हत्यायें की जा रही हैं ।

अभी कुछ दिन पहले रामपुर के हमारे दल के एक विधान परिषद के जो सदस्य रह चुके हैं बहुत बुजुर्ग नेता हैं ज्ञानी हरेन्द्र सिंह उनको सिर्फ इसलिए बंद कर दिया गया क्योंकि उन्होंने अपने समधी चीमा में जिनकी दो पेपर मिल्ज है काशीपुर में दस करोड़ की लागत की, उनके लड़के की हत्या कर दी गई थी उसका मामला उठाया था उसके खिलाफ प्रदर्शन किया था ।

मान्यवर जिस व्यक्ति की दो-दो फैक्ट्रीज हैं जिनकी कीमत दसों करोड़ में हो उसको भाग कर पंजाब जाना पड़ा क्योंकि उसके एक लड़के की पकड़ कर हत्या

[श्री राम गोपाल यादव]

कर दी गई। दूसरा जो शेरवुड कालेज से पढ़ कर निकला था उसको रासुका में निरुद्ध कर दिया गया और चीमा की भी हत्या की जा सकती है।

इससे स्थिति इतनी तनावपूर्ण है, महोदय, कि कोई भी व्यक्ति उस क्षेत्र में अपने को पुलिस से सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। यह कहना निहायत गलत है पूरी तरह से कि उग्रवाद का वहां ज्यादा तांडव है। तांडव पुलिस उग्रवाद का है।

अब तो स्थिति यह हो गई है कि सिख और गैर-सिख अगर कोई संपन्न है, तो उससे पैसा ऐंठने के लिए पुलिस यह कहती है कि आप उग्रवादियों को संरक्षण देते हैं। जो पैसा देता है वह बच जाता है, नहीं तो फर्जी मामलों में और टाडा में जेल भेज दिया जाता है। इस तरह से सैकड़ों निर्दोष लोगों को उत्तर प्रदेश की विभिन्न जेलों में भेजा जा चुका है।

अगर इस तरह की घटनाएं होती रहीं तो हमको यह विचार करना पड़ेगा कि आखिर यह उग्रवाद पनपता क्यों है?

मान्यवर, इस देश की बहुत शानदार प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की जब हत्या हुई थी तो कोई ऐसी आंख नहीं थी जो नम न हुई हो, लेकिन उसके बाद जिस तरह से निर्दोष सिखों की हत्यायें हुईं उसकी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। सारा हिंदुस्तान जानता है कि सड़कों पर चलते हुए सिख ड्राइवरों को अपनी जान बचाने के लिए या तो अपनी दाड़ी और मूछ कटवानी पड़ी या अनुत्तरदायी और मिस्चिएंटस की गोली का शिकार होना पड़ा। कोई जानता नहीं कोई मतलब नहीं बहुत ही अच्छे लोग, बिलकुल निर्दोष लोगों की हत्याएं हुईं। जब अकारण लोगों की हत्याएं हुईं एक-एक घर में एक-एक दर्जन महिलायें विधवा हो जाएं, तो अपने दिल पर हाथ रख कर सोचिएगा कि लोगों के मन में रीएक्शन होगा और वे लोग जो निर्दोष मारे गये उनके बच्चे बदला लेने की की भावना की कार्यवाही करेंगे। उत्तर प्रदेश में यही स्थिति पैदा होती जा रही है। . . . (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN(SHRN JAGESH . DESAI): Please conclude now. You have already taken five minutes.

श्री राम गोपाल यादव : आप सब ने समाचार-पत्रों में पढ़ा होगा कि जब कई निर्दोष सिख तीर्थ यात्रियों को पुलिस ने बस से उतार करके मार दिया और अभी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जब मुन्सिफ मैजिस्ट्रेट ने जांच की तो यह तथ्य उजागर हुआ कि पंजाब के उग्रवादियों के नाम मरे हुए लोगों की फोटो के ऊपर लिखे हुए थे जांच में वे सब निर्दोष थे बिलकुल उनका किसी तरह का कैरियर खराब नहीं था लेकिन मार दिये गये। आज तक किसी अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही नहीं हुई। तो इस तरह की घटनायें हुई।

इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि सिख एक बहुत ही शानदार और जिंदा कौम है। इसको यदि इतना प्रताड़ित किया जाएगा तो यह देश के हित में नहीं हो सकता है। मैं हिंदुस्तान की सरकार से और आपके माध्यम से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि यह ज्यादतियां जो निर्दोष सिखों पर उग्रवाद के नाम पर हो रही है इस पर तत्काल रोक लगाई जाए और लोगों को जो प्रताड़ित हो चुके है उनको न्याय दिलवाया जाए, अन्यथा यह घटनायें बढ़ेंगी और फिर इसको कोई रोक नहीं सकता।

श्री बुद्ध प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश): मान्यवर यह तथ्य सही नहीं है। किसी भी सिख की धरपकड़ नहीं हो रही है। विरोधी तथ से चिल्ला रहे है। (व्यवधान) जब से यह धर-पकड़ उन लोगों की गई है जो उग्रवादियों की मदद कर रहे है आपको मालूम है कि उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा अड्डा आतंकवादियों का हो गया है। पिछले दो-तीन महीने से आतंकवादियों की गतिविधियों में केवल इसलिए कमी आई है कि वहां की सरकार ने उन लोगों को

पकड़ना शुरु किया हैं जो उनकी मदद करते थे। यह तथ्य सही नहीं है।

श्री एस० एस० आहलूवालिया (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय यादव जी ने जो विशेष उल्लेख किया हैं मैं इसका पूर्ण समर्थन करता हूं क्योंकि मैं उस घटना के बारे में बहुत अच्छा तरह जानता हूं। स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने मुझे वहां इंक्वायरी के लिए भेजा था जबकि पीलीभीत में बस से उतारकर तीर्थ यात्रियों की हत्या कर दी गयी थी। सुरेश पचौरी जी, अदरार अहमद जी और हम लोग गए थे। वहां वही एस०पी० इनवोल्व था जिसने मलयाना में मुसलमानों को कटवाकर पत्थर बंधवाकर दरिया में फिकवा दिया था और वह वही एस०पी० था जिसने तीर्थ यात्रियों को उतारकर बिना लाश की शिनाख्त किए पंजाब के उग्रवादियों का नाम लेकर थाने के अंदर कैम्पस में उनको जला दिया गया उनका संस्कार कर दिया गया। इसकी इंक्वारी की गयी थी। उपाध्यक्ष महोदय सबसे बड़ी दुर्भाग्य की बात है कि आज . . . (**व्यवधान**) . . . सरकार के पास में पैसे की कमी होने की वजह से वहां के सिख जो संपन्न समाज के हैं उन्होंने वहां जो 10 गांव के बीचकार एक दरिया है उस पर ब्रिज बनाने के लिए वहां के संतों और महात्माओं ने कार सेवा शुरु की। वे ब्रिज बना रहे थे। उपसभाध्यक्ष महोदय, आप महाराष्ट्र में जानते हैं नांदेड़ में भी ऐसे ब्रिज बनाए गए है सिख समाज की तरफ से और वह भी बनाया जा रहा था लेकिन वह उग्रवादियों की सहयाता के लिए बन रहा है कहकर ऐसा उस ब्रिज को इन्होंने रुकवा दिया।

श्री संघ प्रिय गौतम : उग्रवादियों के पैसे से बन रहा था।

श्री एस०एस० अहलुवालिया : इन्होंने असत्य तथ्यों को सामने रखा है। वहां हिंदू मुसलमान और जो सब लोग रहते हैं उनके सबके सहयोग से ब्रिज का कंस्ट्रक्शन चल रहा था वह सारा काम रुकवा दिया है इन्होंने। वहां गुरुद्वारों का पैसा इकट्ठा हो रहा है और वह समाज सेवा के लिए लग रहा है। वहां के सिख लोगों की संपन्नता से आप लोगों को जलन हैं जैलिसी हैं इसलिए आप वहां आंदोलन कर रहे हैं।

श्री संघ प्रिय गौतम : हमें उतनी ही मोहब्बत है सिखों से जितनी कि आपको हैं लेकिन उग्रवाद को बढ़ाने नहीं दिया जाएगा। चाहे वह किसी भी धर्म का आदमी हो जो आतंकवादियों की मदद करेगा उसके खिलाफ कायवाही की जाएगी। देश के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

Decision of the Madhya Pradesh Government to stop giving: awards in the name of Shrimati Indira Gandhi

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश की पटवा सरकार पुरस्कार प्रदान में किस प्रकार से संकीर्णता रुख अपनाए हुए हैं, विशेष उल्लेख के माध्यम से मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

श्री विशनु कांत शास्त्री (उत्तर प्रदेश) क्या राज्य पुरस्कारों के बारे में इस तरह से सवाल उठाए जा सकते हैं?

श्री सुरेश पचौरी : आप पूरी बात सुनिए शास्त्री जी। हालांकि आप आयु में बुजुर्ग हैं, लेकिन शायद संसद में अभी नए-नए हैं।

. . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभाध्यक्ष (**श्री जगेश देसाई**) : आप बोलिए, बोलिए।

श्री सुरेश पचौरी : उपसभाध्यक्ष महोदय, यह बहुत आपत्तिजनक बात है कि मध्य प्रदेश सरकार ने पूर्व प्रधान मंत्री आदरणीया इंदिरा गांधी के नाम पर दिए जाने वाले पुरस्कारों को समाप्त कर दिया है। हमारे सम्मानित सदस्य ने जो बात उठायी है कि राज्य सरकारों के पुरस्कारों के बारे में चर्चा नहीं हो सकती, मैं कहना चाहूंगा कि यह मात्र राज्य स्तरीय पुरस्कारों से संबंधित बात नहीं है बल्कि इंदिरा गांधी जी के नाम